Original Article
ISSN (Online): 2582-7472

ShodhKosh: Journal of Visual and Performing Arts
July-December 2023 4(2), 1769–1771

FASHION TRENDS INFLUENCING CLOTHING CHOICES OF TEENS

किशोर वर्ग के परिधान चयन को प्रभावित करता फैशन रुझान

Shalini Alha [1], Dr. Veerpal Kaur [2]

[1] Associate Professor Home science, Ch. Balluram Godara Government, Girls College, Sri Ganganagar
[2] Associate Professor Home Science, Art Craft & Social Science Tantia University, Sri Ganganagar

DOI
10.29121/shodhkosh.v4.i2.2023.2911

Funding: This research received no specific grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sectors.

Copyright: © 2023 The Author(s). This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

With the license CC-BY, authors retain the copyright, allowing anyone to download, reuse, re-print, modify, distribute, and/or copy their contribution. The work must be properly attributed to its author.

OPEN ACCESS

ABSTRACT

English: Fashion is a subject that we face every day in our lives. Fashion trends keep changing all the time. They come and go, while the values of the society also keep getting established. According to these social values, fashion trends are adopted in the society. Generally it is a popular style which is seen in the field of clothes, shoes, accessories and makeup etc. When it is prevalent in the entire society, the teenagers are also not untouched by it. Fashion also has a very deep impact on the clothes worn by the teenagers. It is a custom or style prevalent during a special occasion and also a way to express inner feelings and expression. There is no doubt that fashion has captured the current generation in every possible way. Also, the decision of what to wear and what not to wear is also in our hands.

Hindi: फैशन एक ऐसा विषय है जिस का हम अपने जीवन में प्रतिदिन सामना करते हैं। फैशन के रुझान हर समय बदलते रहते हैं। ये आते हैं और चले जाते हैं, इस दौरान लगातार समाज के मूल्य भी स्थापित होते रहते हैं। इन सामाजिक मूल्यों के अनुसार ही फैशन के रुझान समाज में अपनाए जाते हैं। साधारण रूप से यह एक लोकप्रिय शैली है जो कपड़ों, जूतों, सहायक सामग्री व मेकअप के क्षेत्र इत्यादि में देखी जाती है। जब सम्पूर्ण समाज में यह व्याप्त है तो किशोर वर्ग भी इससे अछूता नहीं है। किशोर वर्ग द्वारा पहने जाने वाले परिधानों पर भी फैशन का अत्यंत गहरा प्रभाव पड़ता है। यह कसी विशेष अवसर के दौरान प्रचलित प्रथा उपयोग या शैली है और साथ ही आंतरिक भावनाओं और अभिव्यक्ति को जाहिर करने का एक तरीका भी है इसमें कोई संदेह नहीं है कि फैशन ने वर्तमान पीढ़ी को हर संभव तरीके से अपनी गिरफ्त में ले लिया है। साथ ही क्या पहनना है और क्या नहीं इसका फैसला भी हमारे हाथ में ही है।

Keywords: Clothing Selection Adolescence, Mass Communication, Fashion, Culture, Health, Gender Equality etc, परिधान चयन किशोरावस्था, जनसंचार, फैशन, संस्कृति, स्वास्थ्य, लिंग समानता इत्यादि

1. प्रस्तावना

वर्तमान समय में फैशन का किशोर के जीवन में अत्यधिक प्रभाव देखा गया है। वे अपनी पहचान और अपनेपन का एहसास पाने के लिए फैशन ट्रेंड को फॉलो करते हैं। वे जो स्कूल बैग या घड़ियाँ इस्तेमाल करते हैं उसमें भी फैशन की समझ शामिल हैं वे टी वी, पत्रिकाओं, मीडिया के माध्यम से फैशन के रुझान का पता लगाते हैं और उसकी नकल करते हैं वे अपने आइडियल की तरह ही देखना पसंद करते हैं। वे जिसे भी फैशनेबल समझते हैं, उसे तुरंत अपनाने में पीछे नहीं हटते और उसका अनुसरण करते हैं। किशोर के परिधान पर पड़ने वाले फैशन के रुझान तो हम इस प्रकार से समझ सकते हैं

1) **फैशन और किशोर -** किशोरावस्था मानव जीवन की सबसे अधिक संवेदनशील अवस्था है। इस समय न केवल शारीरिक बदलाव होते हैं अपितु बालक मानसिक रूप से भी अस्थिर होता है। इस समय किशोर अपने आपको सबसे अलग व सुंदर दिखाना चाहते हैं। किशोरावस्था में किसी भी चीज की नकल करने और अपनाने की प्रवृत्ति होती है। जो चीजें उन्हें फैशनेबल लगती है वे उससे जल्दी ही जुड जाते हैं। वे हर

हाल में उसमें फिट होना चाहते हैं चाहे उसके लिए उन्हें अपनी दैनिक दिनचर्या से संघर्ष करना पड़े। किशोरावस्था में समूह की स्वीकार्यता का बहुत महत्व है, इसलिए जो किशोर फैशन में नहीं होता उसे फैशनेबल किशोर से कम वरीयता का सामना करना पड़ सकता है। फैशन को लोग एक लोकप्रिय शैली के रूप में समझते हैं और इसे ज्यादातर परिधान व सहायक सामग्री में अपनाया जाता है। फैशन वह क्षेत्र है जहाँ लोगों की रचनात्मकता प्रगट होती है। कि किशोर सभी फैशन पत्रिकाओं को पढ़ते हैं और कई फैशन से सम्बंधित टेलिविजन शो देखते हैं। वे टेलिवीजन और अपनी पसंदीदा फैशन पत्रिकाओं में दिखाई देने वाले हर आदर्श को अपना आदर्श मानते हैं। मीडिया और पत्रिकाएँ कई किशोर लड़कियों को प्रेरित करती हैं। पत्रिका में कपड़े पहनने के तरीके का किशोरों पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। जब कोई किशोर अपने पसंदीदा आदर्श को कुछ ऐसा पहने हुए देखता है जो उसे पसंद है तो वे उनके जैसा बनने के लिए उसी तरह का स्टाइल पहनने की कोशिश करते है। मीडिया का किशोरों पर भी यही प्रभाव पड़ता है किशोर टेलिविजन पर देखे जाने वाले सेलिब्रिटी की तरह दिखने के लिए भी उनका स्टाइल अपनाते हैं। किशोरों को इस बात का एहसास नहीं है कि मीडिया और फैशन पत्रिकाएं उनकी शैली और जीवन शैली को कितना प्रभावित कर रही है

2) **फैशन का स्वास्थ्य पर प्रभाव -** साधारणतः किशोर ऐसे कपड़े पहनना चाहते हैं जो उन्हें आरामदायक लगे और उन्हें अच्छा भी दिखाई। लेकिन बात जब फैशन के अनुसार कपड़े पहनने की होती है तो आरामदायक को कम महत्व दिया जाता है। फैशनेबल कपड़े पहन कर वे खुद को अभिव्यक्त तथा अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हैं और यह उनके मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। जब किशोर ऐसे कपड़े पहनते है तो उनके स्टाइल से मेल खाते हैं और उन्हें अच्छे लगते हैं तो इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। इसी तरह फैशन का शारीरिक स्वास्थ्य पर भी गहरा प्रभाव पड़ता है। मन और शरीर के बीच मजबूत संबंध है इसलिए किशोर जो पहनते हैं, उसका उनकी भावना और विचारों पर गहरा असर पड़ता है। स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने के लिए शारीरिक गति विधि आवश्यक है और व्यायाम आरामदायक परिधान पहनकर ही किए जाते हैं। उचित रूप से फिट परिधान किशोर के आत्म सम्मान को बढ़ा सकते हैं, वे व्यायाम के दर्द को कम कर सकते हैं और नियमित रूप से व्यायाम करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इस तरह अलग अलग वातावरण के तापमान के अनुसार परिधान पहनने से शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है। उदाहरण के लिए प्राकृतिक रेशों से बने वस्त्र त्वचा के लिए आरामदायक होते हैं और स्वास्थ्य पर भी अनुकूल प्रभाव डालते हैं

3) **फैशन का सांस्कृतिक प्रभाव -** फैशन का संस्कृति से गहरा संबंध है। यह न केवल परिधान में बल्कि आभूषण, केश सज्जा, मेकअप, में भी परिलक्षित होता है। फैशन सिर्फ व्यक्तिगत अभिव्यक्ति नहीं करता बल्कि वे जिस संस्कृति से जुड़े होते हैं उससे भी प्रभावित होते हैं। जब किशोर इस प्रकार के परिधान का चयन करता है जो उसकी संस्कृति से जुड़ा है तो वह उसके धारण करने में सहज महसूस करता है। इससे उसकी संस्कृतिक जुड़ाव का पता लगता है। फैशन और स्टाइल सांस्कृतिक प्रभावों से जुड़े हुए हैं। सांस्कृतिक समारोह के दौरान पहने जाने वाले पारंपरिक परिधानों से लेकर किशोरों द्वारा अपनाए जाने वाले रुझानों तक फैशन बड़े पैमाने पर समाज का आईना होता है।

4) **फैशन का आर्थिक प्रभाव -** लगातार फैशनेबल कपड़े व सहायक सामग्री इस्तेमाल करने के लिए किशोर वर्ग को खरीदारी भी बार बार करनी पड़ती है फैशन उद्योग में हो रहे विकास के चलते इस प्रकार के परिधानों का उत्पादन हो रहा है जो आम जनता के लिए भी सर्वसुलभ है। ऐसे में उच्च और निम्न आय वर्ग के लोग एक ही तरह के कपड़े पहन रहे हैं। जिससे वर्गवाद का प्रभाव भी कम होता नजर आता है इसके साथ ही उपभोक्ता कम कीमत पर अधिक कपड़े खरीद सकते हैं। साथ ही यह रोजगार का अवसर देता है और आर्थिक विकास को भी बढ़ाता है।

5) **फैशन और लिंग समानता -** फैशन उद्योग द्वारा वर्तमान में लिंग तटस्थ कपड़ों का चलन बढ़ रहा है। जिससे लिंग समानता को बढ़ावा मिलता है। यह किशोरों को अपनी पहचान को बिना किसी लिंग भेद भाव के प्रगट करने का अवसर देता है। साथ ही किशोर अपने पहनावे के माध्यम से पारंपरिक लिंग भूमिकाओं को चुनौती देते हैं और अपनी स्वतंत्रता का प्रदर्शन करते हैं। फैशन ने लिंग भेदभाव को कम करने में मदद की है जिससे किशोर अपनी वास्तविक पहचान को अपनाने के लिए स्वतंत्र महसूस करते हैं।

2. निष्कर्ष

किशोर वर्ग भव्य जीवनशैली से जल्दी प्रभावित होते हैं और उनसे जुड़ जाते हैं। जो भी उन्हें फैशनेबल लगता है उसका अनुसरण करते हैं। फैशन में बने रहने के लिए विभिन्न जन संचार माध्यमों का इस्तेमाल करते हैं। अपने स्वयं के फैशन स्टेटमेंट का अनुसरण करने से उन्हें स्वतंत्र सोच की भावना मिलती है और स्वतंत्र विचारक बनते हैं। अच्छा दिखने के पीछे आत्म में विश्वास की भावना भी होती है और यदी वे फैशन की अच्छी समझ रखते हैं तो इसे व्यवसाय के रूप में भी आगे बढ़ा सकते हैं। लेकिन इस बात पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए की यह आयु पढ़ने लिखने की है इसलिए फैशन के प्रति जुनूनी होना नहीं चाहिए बल्कि संतुलन के साथ फैशन को अपनाना चाहिए।

CONFLICT OF INTERESTS

None.

ACKNOWLEDGMENTS

None.

REFERENCES

Www.wikipedia.org dress codes.
Dr. Vrinda Singh, Human Development, Panchsheel Publications, Jaipur.
Dr. Roop Narayan Tripathi, Dr. Ramdev Sahu, Fundamentals of Indian Culture, Shyam Publications, Jaipur.
Hindustan Times Magazine. 2010, 12 December.
Aha Zindagi 2012.